भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 560

उत्तर देने की तारीख 06.02.2025

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का विस्तार

560. डॉ. राजेश मिश्रा:

क्या **जनजातीय कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के विस्तार का ब्यौरा क्या है और उक्त अभियान के क्या उद्देश्य हैं;

(ख) अधिसूचित किए गए नए जनजातीय समुदायों को मौजूदा जनजातीय कल्याण ढांचे में शामिल करने की क्या प्रक्रिया है; और

(ग) क्या अधिसूचित किए गए नए जनजातीय समुदायों को विभिन्न जनजातीय कल्याण योजनाओं के अंतर्गत शामिल किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क): माननीय प्रधानमंत्री ने 2 अक्टूबर, 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया था। इस अभियान में 17 लाइन मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित 25 उपाय शामिल हैं और इसका उद्देश्य 63,843 गांवों में बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करना, स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनवाड़ी सुविधाओं तक पहुंच में सुधार करना और 5 वर्षों में 30 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के 549 जिलों और 2,911 ब्लॉकों के 5 करोड़ से अधिक जनजातियों को लाभान्वित करते हुए आजीविका के अवसर प्रदान करना है। अभियान का लक्ष्य 500 या उससे अधिक आबादी वाले विशिष्ट जनजातीय बहुल गाँव, जहाँ कम से कम 50% जनजातीय हैं और आकांक्षी ब्लॉकों में कम से कम 50 जनजातीय आबादी वाले गाँव हैं। राज्यों को मिशन के तहत अनुमोदित चयन मानदंडों के अनुसार चयनित 63,843 गाँवों की सूची प्रदान की गई है। यदि राज्य को लगता है कि 63,843 की सूची में कोई गांव छूट गया है, जो अन्यथा मानदंडों को पूरा करता है, तो राज्य/संघ राज्यक्षेत्र अभियान के तहत गांव को शामिल करने के लिए प्रस्ताव भेजने के लिए स्वतंत्र हैं।

(ख) और (ग) : नव अधिसूचित जनजातीय समुदाय संबंधित दिशा-निर्देशों के विद्यमान मानकों/मानदंडों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों के लिए विद्यमान कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत स्वतः ही शामिल हो जाते हैं।

****